भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 1056

सोमवार, 29 जुलाई, 2024/7 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

खंडवा, मध्य प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देना

1056. श्री ज्ञानेश्वर पाटील:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा मध्य प्रदेश राज्य के खंडवा संसदीय क्षेत्र में श्री ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, हनुमंतिया नर्मदा बैकवॉटर एक्टिविटी, बुरहानपुर के खूनी भंडारा जैसे अनेक पर्यटन स्थलों को देखते हुए खंडवा को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए अब तक क्या प्रयास किए गए हैं;

(ख) यदि नहीं, तो क्या सरकार का विचार खंडवा को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए कोई धनराशि प्रदान करने का है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय ने खंडवा, मध्य प्रदेश में 43.93 करोड़ रु. की लागत से प्रशाद योजना के अंतर्गत "ओंकारेश्वर का विकास" नामक परियोजना को स्वीकृति दी है।

पर्यटन मंत्रालय ने मध्य प्रदेश में प्रशाद योजना के अंतर्गत "अमरकंटक का विकास" नामक परियोजना को भी स्वीकृति दी है। इसके अतिरिक्त मध्य प्रदेश में प्रशाद योजना के अंतर्गत विकास हेतु दो स्थलों यथा दतिया जिले में श्री पीताम्बरा पीठ और मुरैना जिले में शनिदेव मंदिर को चिह्नित किया गया है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन' योजना के अंतर्गत पर्यटन गंतव्यों का समेकित विकास भी करता है। इस योजना के अंतर्गत पन्ना-मुकुंदपुर-संजय-दुबरी-बांधवगढ़ - कान्हा-मुक्की-पेंच में वन्यजीव परिपथ का विकास, सांची-सतना-रीवा-मंदसौर-धार का विकास, ग्वालियर-ओरछा-खुजराहो-चंदेरी-भीमबेटका-मांडु का विकास और गाँधीसागर बाँध-मंडलेश्वर बाँध - ओंकारेश्वर-बाँध-इंदिरा सागर बाँध -तवा बाँध- बरगी बाँध -भेड़ा घाट- बनसागर बाँध- केन नदी का विकास नामक चार परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। इसके अतिरिक्त स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत ग्वालियर और चित्रकूट नामक दो गंतव्यों को भी चिह्नित किया गया है। ग्वालियर में फूलबाग एक्सपीरियंस जोन और चित्रकूट में चित्रकूट के घाटों के माध्यम से आध्यात्मिक अनुभव को स्वीकृति दी गई है।

इसके अलावा स्वदेश दर्शन 2.0 की "चुनौती आधारित गंतव्य विकास" नामक उप-योजना के अंतर्गत विकास हेतु मांडू और ओरछा को चिह्नित किया गया है।

****